DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD

Syllabus of

B.A.III Year

HINDI

Semester - V & VI

(Effect from - 2015-2016 and onwards)

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

बी.ए. तृतीय वर्ष

पेपर क्र. IX - प्रादेशिक साहित्य

पंचम सत्र (Semester-V)

उद्देश्य	:	
	१	साहित्य अस्वादन-अभिरूचि का परिसंस्कार
	२	जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
	३	प्रादेशिक साहित्य का ज्ञान
	४	भारतीय साहित्य का अध्ययन
अध्ययन-अध्यायन पद्धति	:	
	१	व्याख्यान पद्धति
	२	लेखन एवं पठन कौशल विकास के लिए अभ्यास
पाठयक्रम	:	अ. मराठी सहित्य
	१	मराठी का कहानी साहित्य : सामान्य परिचय
	२	दलित आत्मकथा साहित्य : सामान्य परिचय
पाठयपुस्तके:		
	१	प्रतिनिधि कहानी : मराठी संपा: डॉ. माधव सोनटक्के, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
	२	पराया: लक्ष्मण माने अनुवादक डॉ. दामोदर खडसे साहित्य अकादमी, रवीन्द्र भवन, फीरोजशहा रोड, नई दिल्ली

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बायपास रोड, औरंगाबाद -431008

पाठंयाश	:		
	१	मराठी कहानी साहित्य का विकासक्रम	
	२	संकलित कहानियों की संवेदना	
	३	संकलित कहानियों का शिल्प -विधान	
	४	मराठी दलित साहित्यः सामान्य परिचय	
	५	पराया की संवेदना	
	६	पराया का शिल्प -विधान	
संदर्भ ग्रंथ	:		
	१	प्रादेशिक भाषा और साहित्येतिहास - डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे संपा. लातुर जिला हिंदी साहित्य परिषद, लातुर.	
	२	प्रादेशिक भाषा, साहित्य : मराठी पहचान और परख, प्रा.गुलाबराव हाडे नक्षत्र प्रकाशन, औरंगाबाद.	

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाग

कुल अंक - ५०

प्रश्न १. ससंदर्भ व्याख्या विकल्प साहित्य (प्रतिनिधि कहानी): १०

प्रश्न २. प्रतिनिधि मराठी कहानियों पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प सहित : १५

प्रश्न ३. 'पराया' पर दीर्घेचरी प्रश्न विकल्प सहित : १५

प्रश्न ४. टिप्पणियाँ

अ.प्रतिनिधि मराठी कहानियों पर विकल्प सहित : ०५

आ. 'पराया' पर विकल्प सहित ०५

प्राचार्य

चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर

कला वरिष्ठ महाविद्यालय

सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

बी.ए. तृतीय वर्ष

पेपर क्र. X - आदि तथा मध्यकालिन हिंदी साहित्य का इतिहास

पंचम सत्र (Semester -V)

उद्देश्य:

१. साहित्य आस्वादन अभिरूची का परिसंस्कार
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
३. हिंदी साहित्य की परम्परा से परिचय

अध्ययन-अध्ययन प्रक्रिया

१. व्याख्यान पद्धति
२. लेखन एवं पठन कौशल वृद्धि के लिए अध्ययन

१) हिंदी साहित्येतिहास: लेखन स्त्रोत एवं परम्परा

- हिंन्दी साहित्येतिहास लेखन के प्रमुख स्त्रोत
- हिंन्दी साहित्येतिहास लेखन परम्परा

२) आदिकाल

- आदिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनितिक पृष्ठभूमि
- आदिकालीन साहित्य: वीरगाथा , जैन, सिद्ध तथा नाथ साहित्य
- रचनाकार -अमीर खुसरो, विद्यापति, नामदेव

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

३) भक्तिकाल

- भक्तिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनितिक पृष्ठभूमि
- निर्गुण भक्ति साहित्य - संत साहित्य , सूफी साहित्य
- सगुण भक्ति साहित्य - रामभक्ति साहित्य, कृष्ण भक्ति साहित्य

रचनाकार -कबीर, जायसी, तुलसीदास, सूरदास

४) रीतिकाल

- रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनितिक पृष्ठभूमि
- रीतिकालीन साहित्य - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त
- रचनाकार-केशवदास, पद्माकर, बिहारी , घनानंद, भूषण

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

कुल अंक- ५०

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न विकल्पसहित-	१०
२) संपूर्ण पाठ्याक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित -	१५
३) संपूर्ण पाठ्याक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित -	१५
४) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ चार में से दो -	१०

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

बी.ए. तृतीय वर्ष
पेपर क्र. XI - साहित्यशास्त्र - १
पंचम सत्र (Semester -V)

उद्देश्य:

१) साहित्य चिंतन का अध्ययन
२) साहित्यालोचन क्षमता का परिचय
३) साहित्य सृजन के संस्कार

अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया:

१) व्याख्यान
२) गोष्ठी, परिचर्चा तथा स्वाध्याय
३) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान
४) साहित्यालोचन का अभ्यास

पाठ्यक्रम-

१) साहित्य का स्वरूप:

- साहित्य से तात्पर्य
- संस्कृत आचार्यो द्वारा प्रस्तुत साहित्य-परिभाषाएँ
- पाश्चात्य आचार्यो द्वारा प्रस्तुत साहित्य - परिभाषाएँ
- हिंदी विद्वानों द्वारा प्रस्तुत साहित्य - परिभाषाएँ

२) साहित्य के तत्व:

- भाव तत्व
- विचार या बुद्धितत्व
- कल्पना तत्त्व
- शैली तत्त्व

३) सहित्य-प्रयोजन

- प्रयोजन से तात्पर्य
- संस्कृत आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य प्रयोजन
- पाश्चात्य आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य प्रयोजने३
- हिंदी विद्वानों द्वारा प्रस्तुत साहित्य प्रयोजन

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

४) साहित्य-हेतुः

- हेतु से तात्पर्य
- संस्कृत आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य हेतु
- पाश्चात्य आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य हेतु
- हिंदी विद्वानों द्वारा प्रस्तुत साहित्य हेतु

५) शब्दशक्ति विचार

- शब्दशक्ति से तात्पर्य
- शब्दशक्ति के प्रमुख भेद

६)रस विचार

- रस का स्वरूप
- रसः भारतीय दृष्टिकोण
- रसः पाश्चात्य दृष्टिकोण
- रस-निष्पत्तिः रस सूत्र की प्रमुख व्याख्याएँ
- रस भेद-सामान्य परिचय : श्रृंगार, वीर, करूणा, रौद्र, भयानक, बीभत्स, अद्‌भुत, शांत, भक्ति, वात्सल्य

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

कुल अंक -५०

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न -	१०
२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसाहित दिर्घोत्तरी प्रश्न -	१५
३) संपूर्ण पाठयक्रम पर विकल्पसाहित दिर्घोत्तरी प्रश्न	१५
४) संपूर्ण पाठंयाश पर टिप्पणियँ चार में से दो-	१०

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

7

बी.ए. तृतीय वर्ष

पेपर क्र. XII- प्रकल्प कार्य - १

पंचम सत्र (semester-V)

उद्देश्य :

१. पठन - लेखन कौशल का विकास

२. आलोचनात्मक क्षमता का विकास

३. अनुसंधानात्मक दृष्टि का विकास

अध्ययन - अध्यापन प्रक्रिया :

१. लेखन निर्देशन

प्रकल्प का स्वरुप :

१. भाषा, साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्यशास्त्र आदि से संबंधित विषय का चयन व प्रकल्प लेखन किया जाए।

२. विषय चयन अध्यापक के निर्देशन में हो।

३. प्रकल्प कम से कम २५ तथा अधिक से अधिक ४० टंकित पृष्ठों का हो।

४. प्रकल्प कार्य स्पायरल बाईंडिंग करके प्रस्तुत किया जाए।

५. इसका मूल्यांकन निर्देशक अध्यापक के द्वारा किया जाए।

६. प्रकल्प १०० अंको का हो।

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

प्रश्नपत्र 13

बी.ए. तृतीय वर्ष
पेपर क्र.XIII- मध्यकालीन काव्य
षष्ट सत्र (Semester -VI)

उद्देश्य:

१) भारतीय भाक्ति आंदोलन का अध्ययन
२) रीतिकालीन संवेदना का अध्ययन
३) कविता के माध्यम से मध्यकालीन सांस्कृतिक संवेदना का अध्ययन

अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया:

१) व्याख्यान पद्धति
२) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान
३) परिचर्चा

पाठयक्रम:

१) भक्तिकालीन काव्य : सामान्य परिचय
२) रीतिकालीन काव्य : सामान्य परिचय

पाठयपुस्तक:

१) मध्यकालीन काव्य, संपा. डॉ.माधव सोनटक्के, डॉ.सुकुमार भंडारे, वाणी प्रकाशन दिल्ली.

पाठ्यांश : भक्ति तथा रीतिकाल : पृष्ठभूमि एवं प्रवृतियाँ

१) भाक्तिकालीन कविता : संवेदना

२) भक्तिकालीन कविता: शिल्प विधान

३) रीतिकालीन कविता : संवेदना

४) रीतिकालीन कविता : शिल्प विधान

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय,
सातारा बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

संदर्भ ग्रंथ

१. भक्तिकालीन काव्य में मानवीय मूल्य-डॉ. हणमंतराव पाटील।

२. कबीर ग्रंथावली- डॉ. भगवत स्वरूप मिश्र।

३. ऐसा चाहू राज मैं--- संत सिपाई रैदास-कुलदिप कुमार।

४. सांझी संस्कृति की विरासत- डॉ. सुभाष चंद्र।

५. रहीम- विजयेन्द्र स्नातक

६. संत नामदेव और हिन्दी पद-साहित्य- डॉ. रामचंद्र मिश्र।

७. कबीर: कल और आज - संपा.डॉ. अशोक मर्डे।

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन:

कुल अंक - ८

प्रश्न १. ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित

प्रश्न २. भक्तिकालीन कविता पर दीर्घोत्तर प्रश्न विकल्प सहित

प्रश्न ३. रीतिकालीन कवितापर दीर्घेत्तर प्रश्न विकल्प सहित

प्रश्न ४. टिप्पणियाँ-

अ. भक्तिकालीन कविता पर विकल्प सहित

आ. रीतिकालीन कविता पर विकल्प सहित

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

114

बी.ए. तृतीय वर्ष
पेपर क्र.XIV- आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास
षष्ट सत्र (Semester -VI)

्यः
१. साहित्य आस्वादन अभिरूचि का परिसंस्कार
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
३. हिन्दी साहित्य की परंम्परा से परिचय

यन-अध्यापन प्रक्रिया

व्याख्यान पद्धति
लेखन एवं पठन कौशल वृद्धि के लिए अध्ययन

यक्रम:

ुनिक काल
ाव्य साहित्य-
भारतेंदु युगीन कविता दि.
द्विवेदी युगीन कविता
छायावादी कविता
प्रगतिवादी कविता
प्रयोगवादी कविता
नई कविता
समकालीन कविता
दलित आदिवासी कविता

ार - भारतेंदु, आयोध्यासिंह उपाध्या हरिऔंध, मैथिलीशरण गुप्त, जसशंकर प्रसाद, ा त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पन्त, महोदवी वर्मा अज्ञेय, मुक्तिबोध, धूमिल. ाश वाल्मीकि, मोहनदास नैमिशराय, सुशीला टाकभौरे, निर्मला पुतुल, दामोदर मोरे

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला व विज्ञान महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

आ) गद्य साहित्य:

- हिंदी नाटक: उद्‌भव और विकास
- हिंदी कहानी: उद्‌भव और विकास
- हिंदी उपन्यास: उद्‌भव और विकास
- हिंदी एकांकी: उद्‌भव और विकास
- हिंदी जीवनी: उद्‌भव और विकास
- हिंदी आत्मकथा : उद्‌भव और विकास

रचनाकार-

नाटक-एकांकी -भारतेंदु, जयशंकर प्रसाद, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश
कथाकार- प्रेमचंद, यशपाल, जैनेंद्र, फणीश्वरनाथ रेणु
जीवन-आत्मकथा-विष्णु प्रभाकर, हरिवंशराय बच्चन, रामविलास शर्मा, मैत्रेयी पुष्पा
मन्नु भंडारी, ओमप्रकाश, वाल्मीकि, मोहनदास नैमिशराय, सुशीला टाकभौरे,

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के
२. हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ. शिवकुमार शर्मा
३. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे
४. हिंदी साहित्य का सही इतिहास - डॉ.चंद्रभानु सोनवणे

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

कुल अंक-५०

१. संपूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - १०
२. संपूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - १५
३. संपूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित- १५
४. संपूर्ण पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ चार में से दो - १०

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

12

15
XV

बी.ए. तृतीय वर्ष
पेपर क्र.XV- साहित्यशास्त्र - २
षष्ट सत्र (Semester -VI)

उद्देश्य:

१) साहित्य चिंतन का अध्ययन
२) साहित्यालोचन क्षमता का परिचय
३) साहित्य सृजन के संस्कार

अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया:

१) व्याख्यान
२) गोष्ठी, परिचर्चा तथा स्वाध्याय
३) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान
४) साहित्यालोचन का अभ्यास

पाठ्यक्रम :

१) अलंकार विचार:

- अलंकार : तात्पर्य एवं परिभाषा
- अलंकार : वर्गीकरण एवं भेद
- प्रमुख अलंकार -परिचय

अ) शब्दालंकार - अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति

आ) अर्थालंकार - उपमा, रूपक, भ्रांतिमान, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, व्याजस्तुति संदेह, समासोक्ति, अत्युक्ति, अन्योक्ति

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

२) छंद विचार

- छंद- तात्पर्य एवं परिभाषा
- छंद के तत्त्व
- छंद के प्रमुख भेद

अ) मांत्रिक छंद-चौपाई, दोहा, सोरठा, गीतिका, कुंडलिया, रोला, हरगीतिका, बरवै, उल्लाला,

आ) वार्णिक छंद-इंद्रवज्रा, वसंततिलका, मालिनी, मंदाक्रांता, शारिणी, भुजंग्रप्रयात, सवैया

३) विधा स्वरूप : विवेचन

- साहित्य विधाएँ : वर्गीकरण
- प्रमुख विधाओं का सैद्धातिक विवेचन

अ) दृश्यकाव्य : नाटक , एकांकी रेडियोनाट्य धारावाहिक

आ) श्रव्यकाव्य : क) कविता- १) प्रबंध : महाकाव्य , खण्डकाव्य

२) मुक्तक : गीतिकाव्य

ख) गद्य विधाएँ : १) कहानी २) उपन्यास

३) निबंध ४) जीवनी

५) आत्मकथा ६) व्यंग्य

७) ललित निबंध ८) रिपोर्ताज

९) रेखाचित्र १०) संस्मरण

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

४) आलोचना: स्वरूप तथा भेद

आलोचना : स्वरुप एवं महत्त्व

आलोचना का कार्य

आदर्श आलोचक के गुण

आलोचना के भेद : सामान्य परिचय

- प्रमुख आलोचना भेदों का विशेष परिचय

१) सैद्धांतिक आलोचना

२) ऐतिहासिक आलोचना

३) मार्क्सवादी आलोचना

४) मनोवैज्ञानिक आलोचना

संदर्भ ग्रंथ

१. साहित्यशास्त्र- डॉ. माधव सोनटक्के

२. साहित्य शास्त्र - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे

३. प्रयोजनमूलक तथा व्यवहारिक हिंदी - डॉ. सुकुमार भंडारे

प्रश्नपत्र का प्रारुप एवं अंक विभाजन

कुल अंक - ५०

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न - १०

२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित दीर्घोत्तरी प्रश्न - १५

३) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित दीर्घेत्तर प्रश्न - १५

४) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ चार में से दो - १०

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

XVI
16

बी.ए. तृतीय वर्ष

पेपर क्र. XVI- प्रकल्प कार्य - २

षष्ट सत्र (semester-VI) अंक -१००

उद्देश :

१. पठन - लेखन कौशल का विकास

२. आलोचनात्मक क्षमता का विकास

३. अनुसंधानात्मक दृष्टि का विकास

अध्ययन - अध्यापन प्रक्रिया :

१. लेखन निर्देशन

प्रकल्प का स्वरुप :

१. भाषा, साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्यशास्त्र आदि से संबंधित विषय का चयन कर प्रकल्प लेखन किया जाए।

२. विषय चयन अध्यापक के निर्देशन में हो।

३. प्रकल्प कम से कम २५ तथा अधिक से अधिक ४० टंकित पृष्ठों का हो।

४. प्रकल्प कार्य सफायरल बाईंडिंग करके प्रस्तुत किया जाए।

५. इसका मूल्यांकन निर्देशक अध्यापक के द्वारा किया जाए।

६. प्रकल्प १०० अंकों का हो।

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008